Lecture – 154

मौर्यकालीन स्रोत

⇒ Mamta Rani
Guest Assistant Profess
Deptt. of History.
SNSRKS college. Sahars
03 – 11 – 2020

Be AatmaNirbhar. Use Kaagaz

iii) सहगौरा लेख

सहगौरा – उत्तर प्रदेश (श्रावस्ती के निकट)
भाषा – प्राकृत लिपि – ब्राह्मी

- यह ताम्रपत्र लेख है।
- इस लेख से भी पता चलता है कि मौर्य काल में अकाल राहत के तहत राजकीय अन्नागार से अनाज का वितरण होता था।

Be AatmaNirbhar. Use Kaagaz

मौर्यकालीन अभिलेख

- इस समय भारतीय उपमहाद्वीप में तीन लिपियों - यूनानी लिपी, खरोष्ठी लिपि, ब्राह्मी लिपि का प्रचलन है।

अशोक से पूर्व का अभिलेख

1) पिपरहवा कलश लेख

पिपरहवा - नेपाल की तराई में बस्ती जिला
शाक्य गण से संबंध।
भाषा - प्राकृत, लिपि - ब्राह्मी
काल - 5th Cent. B.C

विषय-वस्तु - इस लेख से महापरिनिर्वाण सूत्र की पुष्टि होती है। इसमें बुद्ध के अस्थि अवशेष के बँटवारे की चर्चा है।

11) महास्थान लेख

महास्थान - बंगलादेश में बोगरा जिला
भाषा प्राकृत तथा लिपि - ब्राह्मी

- इससे पता चलता है कि अशोक से पूर्व मौर्य साम्राज्य का विस्तार बंगलादेश तक था।
- इसमें राजकीय अन्नागार की चर्चा है तथा अकाल के समय राज्य की ओर से अनाज वितरण किया जाता था, इसका भी उल्लेख है।
- इस लेख में काकीनी नामक मुद्रा (ताँबा) का उल्लेख हुआ है।

Be AatmaNirbhar. Use Kaagaz

धर्मस्थीय (दीवानी) तथा कंटकशोधन (फौजदारी) अदालत, विभिन्न प्रकार के अपराध तथा दंड प्रावधान इत्यादि की जानकारी मिलती है।

इस पुस्तक से राजा की विदेश नीति, मौर्य कालीन शिल्प उद्योग वाणिज्य - व्यापार, व्यापारिक मार्ग, मौर्य कालीन समाज, धर्म, संस्कृति, दासों की स्थिति, तकनीकी विकास इत्यादि की जानकारी मिलती है।

ii) महाभाष्य - 2nd Cent. B.C

रचयिता - पतंजलि

यह पुस्तक अष्टाध्यायी पर टीका है।

इस पुस्तक से मौर्यों के पतनोन्मुख दशा की जानकारी मिलती है।

अंतिम मौर्य शासक वृहद्रथ की हत्या तथा पुष्यमित्र शुंग के द्वारा शुंग सत्ता की स्थापना की जानकारी मिलती है।

iii) मालविकाग्निमित्र (नाटक)

रचयिता - कालिदास

रचनाकाल - गुप्तकाल

इस पुस्तक से भी मौर्य सत्ता का समापन तथा शुंग सत्ता की स्थापना की जानकारी मिलती है।

iv) मुद्राराक्षस (नाटक)

रचयिता - विशाखादत्त (गुप्तोत्तरकाल 6-7वीं सदी)

इस पुस्तक में चंद्रगुप्त मौर्य को वृषल कहागया है।

Be AatmaNirbhar. Use Kaagaz

मौर्यकालीन स्त्रोत

i) अर्थशास्त्र - भाषा - लौकिक संस्कृत
अधिकरण - 15
अध्याय - 150
प्रकरण - 180
श्लोक - 6000
रचियता - कौटिल्य / चाणक्य / विष्णुगुप्त
विषय वस्तु - राजनीति / राजनैतिक सिद्धांत
अर्थशास्त्र समकालीन रचना है जिसमें राज्य का सप्तांग सिद्धांत (राजा, अमात्य, राष्ट्र, दुर्ग, सैन्यबल, कोष, मित्र) राजा - प्रजा संबंध, राजा - मंत्री संबंध, मंत्रीमंडल के गठन की प्रक्रिया, गुप्तचर व्यवस्था, मौर्य कालीन सुरक्षा व्यवस्था तथा राजस्व प्रशासन की जानकारी मिलती है।

...हे अधिकरण में
...सप्तांग विचारधारा का जिक्र है।
...मि - राजा
...त्य - मंत्री
...दे - ...
... - किला
... - राजकोष
... - सैन्य बल
... - राष्ट्र

Be AatmaNirbhar. Use Kaagaz